दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप सेन (प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, मंगलवार 3 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए CM मोहन

जबलपुर, एजेंसी। संस्कारधानी जबलपुर की सड़कें सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के शक्ति प्रदर्शन और गगनभेदी नारों से गूंज उठीं। जबलपुर में पार्टी द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' पदयात्रा में खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोर्चा संभालते हुए 3 किलोमीटर से अधिक का लंबा पैदल मार्च किया। इस भव्य यात्रा के दौरान शहर के मुख्य मार्गों पर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

गोल बाजार से निकला पैदल मार्च, जगह-जगह हुआ स्वागत

यह पदयात्रा शहर के ऐतिहासिक गोल बाजार से शुरू होकर मालवीय चौक, लार्डगंज और बड़ा फुहारा जैसे प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस गोल बाजार पर ही समाप्त हुई। यात्रा के पूरे रूट पर जगह-जगह भव्य मंच बनाए गए थे, जहाँ जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत



किया। इस शक्ति प्रदर्शन में मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित स्थानीय सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे।

झूठ का पहाड़ खड़ा कर रही है कांग्रेसः सीएम मोहन यादव

यात्रा के समापन पर गोल बाजार में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर बेहद तीखे सियासी हमले किए।

चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री का दावा

विपक्ष की रैली से व्यापारियों को 12 हजार करोड़ का नुकसान!

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और विपक्षी दलों की महारैली के चलते दिल्ली के व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने फेस्टिव सीजन में दीपावली से ठीक पहले हुई दिल्ली रैली के दौरान दिल्ली के अलग-अलग बाजारों के करीब ढ़ाई लाख दुकानों के बंद होने और कारोबारियों के 12 हजार करोड़ के नुकसान का दावा किया है। CTI के साथ ही देश के सबसे पुराने व्यापारी संगठन 'किराना कमिटी दिल्ली' और 'नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल' ने भी भारी नुकसान का अनुमान लगाया है।

रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप

विपक्ष ने रामलीला मैदान में जो रैली की और रैली से पहले राहुल गांधी ने मार्च किया उससे एक तरफ तो सेंट्रल दिल्ली कई घंटे तक जाम रही। तो वहीं, दूसरी



तरफ राहुल की रैली के दौरान सेंट्रल दिल्ली के दो दर्जन से ज्यादा बाजार बंद रहे। कारोबारियों ने रैली से पहले जो आशंकाएं जताई थीं, रैली के दिन वो सच साबित हुईं। दिल्ली के कारोबारियों ने दावा किया कि कस्टमर के नहीं पहुंचने के कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड इंडस्ट्री यानी CTI के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि राहुल की रैली के कारण रोड जाम रहा और भीड़ के कारण रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप रहा और प्रमुख बाजारों में करीब 80 फीसदी दुकानें बंद रहीं।

एआई फोटो पर रिजिजू का तंज

'फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाए'



केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की रैली में भीड़ दिखाने के लिए कथित एआई से तैयार तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को रैली में भीड़ दिखाने के लिए एआई से बनी तस्वीरों का सहारा लेना पड़ा। रिजिजू ने कांग्रेस सांसद वामसी गड्डम और पार्टी के अन्य नेताओं की ओर से सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर को अपनी पोस्ट के साथ लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रामलीला मैदान भरा हुआ दिखाने के लिए कांग्रेस पार्टी की फर्जी नैरेटिव टीम एआई से बनी फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाई!'

जम्मू-कश्मीरः मंत्री पद न मिलने से नाराजगी

उमर को 25 विधायकों का अल्टीमेटम-14 दिन में मांगें नहीं मानीं तो समर्थन वापस

जम्मू-कश्मीर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ ही वे मंत्रिमंडल में बड़े दलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने भी इस्तीफे का ऐलान किया है। रूहुल्लाह ने कहा है कि वह 3 नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और लोकसभा सदस्यता, दोनों से औपचारिक इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर करने का



आरोप लगाया है। रूहुल्लाह का कहना है कि पार्टी धारा 370 पर केंद्र के फैसल को चुनौती देने के वादे से पीछे हट रही है।

विधायकों का 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाया

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर व गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और सीएम उमर अब्दुल्ला को मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।

पश्चिम बंगाल: दक्षिण 24 परगना में चर्च में तोड़फोड़, पादरियों-श्रद्धालुओं पर हमला

कोलकाता. एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक चर्च के उद्घाटन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ करने और पादरियों के साथ-साथ श्रद्धालुओं पर हमला करने का मामला सामने आया है। यह जानकारी पुलिस द्वारा दी गई। बताया, घटना संती थाना क्षेत्र के नारायणतला में हुई। तब बिशप सुब्रत चक्रवर्ती और कई पादरी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ नए चर्च के उद्घाटन के लिए इकट्ठा हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमें शिकायत मिली है कि 30-35 लोगों की भीड़ अचानक चर्च परिसर में घुस आई और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। यह भी आरोप है कि महिलाओं पर भी हमला किया गया।' हमलावरों ने न केवल चर्च के पवित्र क्रॉस को तोड़ दिया। पादरियों- श्रद्धालुओं के साथ भी मारपीट की। जो घटना का वीडियो बना रहे थे, उसे भी पीटा।

जर्मनी: सड़कों पर आगजनी-दुकानों में लूट, कई शहरों में हिंसक झड़प

बर्लिन.एजेंसी। जर्मनी में जेनेरेशन जेड युवाओं ने बढ़ती महंगाई और जीवन-लागत जैसे मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यूरोप भर में चल रहे इसी तरह के प्रदर्शनों के बीच जर्मनी में भी दिनभर ज्यादातर जगहों पर शांतिपूर्ण माहौल रहा, लेकिन शाम होते-होते कई शहरों में स्थिति बिगड़ गई।

दोपहर तक प्रदर्शन काफी हद तक शांत रहे, लेकिन अंधेरा होने के साथ ही कुछ इलाकों में उपद्रवी तत्वों ने पुलिस से झड़प की और दुकानों में लूटपाट की। इससे पहले हालात पिछले महीने फ्रांस में देखी गई अशांति की याद दिलाते हैं। फ्रैंकफर्ट, कोलोन, हैम्बर्ग और बर्लिन में हालात तनावपूर्ण हो गए।



इस मार्च में फिलिस्तीन-समर्थक और फासीवाद-विरोधी प्रदर्शनकारी भी शामिल हो गए। कुछ लोगों ने पूंजीवाद-विरोधी, इजरायल-विरोधी और जर्मनी-विरोधी नारे

के लिए वामपंथी समूहों और प्रवासी पृष्ठभूमि वाले उपद्रवियों को जिम्मेदार ठहराया और इसमें शामिल पाए जाने वालों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 3 नवम्बर 2026

स्वामित्व योजना से खेम सिंह चौहान को मिला जमीन का पक्का मालिकाना हक

वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान, अब बिना किसी भय और परेशानी के रह सकेंगे अपनी जमीन पर



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। शासन की स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय भूमि का कानूनी अधिकार दिलाने के साथ वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान भी कर रही है। इस योजना से देपालपुर निवासी खेम सिंह चौहान के परिवार को भी बड़ी राहत मिली है। पीढ़ियों से गांव में निवासरत उनके परिवार के पास जमीन के स्वामित्व से संबंधित कोई वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। इसके कारण उन्हें लंबे समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। खेम सिंह चौहान ने बताया कि जमीन के कानूनी दस्तावेज नहीं होने के कारण गांव के कुछ लोग उन्हें उनकी पुश्तैनी जगह से हटाने का दबाव बनाते थे। जगह खाली करने के



लिए डराया-धमकाया जाता था तथा जमीन और रास्ते को लेकर भी बार-बार विवाद एवं परेशानी का सामना करना पड़ता था। स्वामित्व संबंधी प्रमाण नहीं होने से परिवार के लिए अपनी जमीन पर अधिकार जताना भी कठिन हो रहा था। ऐसे में स्वामित्व योजना उनके परिवार के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई। योजना के अंतर्गत प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के माध्यम से जमीन की पक्की रजिस्ट्री प्राप्त हुई। इस दस्तावेज से उनके परिवार को जमीन का वैधानिक मालिकाना हक मिला है। अब उनके पास अपनी जमीन के स्वामित्व का पुख्ता कानूनी प्रमाण है, जिससे वर्षों से चली आ रही अनिश्चितता और परेशानी का समाधान हुआ है। खेम सिंह चौहान ने कहा कि रजिस्ट्री मिलने से उनके परिवार को सुरक्षा और स्थायित्व का भरोसा मिला है। अब वे बिना किसी भय और दबाव के अपनी जमीन पर निवास कर सकेंगे। उन्होंने स्वामित्व योजना के माध्यम से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

बोले- 'खाकी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी की क्या उम्मीद'

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत पर नेता प्रतिपक्ष ने जताया आक्रोश, मुख्यमंत्री से माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान खातेगांव थाना प्रभारी (TI) दिलीप पुरी की मौत का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ने लगा है। इस घटना को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराधियों और अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब कानून की रक्षा करने वाले पुलिस अधिकारी भी सुरक्षित नहीं हैं। सिंघार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर घटना पर गहरा दुख जताया और मुख्यमंत्री मोहन यादव से शराब माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उमंग सिंघार ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मध्य प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब खाकी भी सुरक्षित नहीं है। देवास में अवैध शराब माफियाओं ने खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी को बेखौफ होकर ट्रक से कुचल दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कानून के रक्षकों की ही सरेआम हत्या हो रही है, तो आम आदमी अपनी सुरक्षा की क्या उम्मीद कर सकता है? नेता प्रतिपक्ष ने इस घटना को प्रदेश की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला बताया है।

उन्होंने कहा कि

इस तरह की घटना व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जान गंवाने वाले थाना प्रभारी दिलीप पुरी को उन्होंने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल देने की कामना की।

देपालपुर के यश पांचाल राष्ट्रीय रग्बी प्रतियोगिता में करेंगे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

SGFI की 70वीं राष्ट्रीय अंडर-19 रग्बी प्रतियोगिता में शामिल हुए यश, दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होगा आयोजन



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। देपालपुर तहसील के यश पांचाल ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यश पंचाल SGFI की 70वीं राष्ट्रीय रग्बी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस उपलब्धि से देपालपुर सहित पूरे इंदौर जिले में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित हो रही है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। मध्यप्रदेश की अंडर-19 टीम में यश पांचाल का चयन देपालपुर के लिए गर्व की बात मानी जा रही है। यश इंदौर जिले की देपालपुर तहसील से राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की टीम में हिस्सा ले रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचना उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति लगन का परिणाम है। रग्बी जैसे खेल में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होना आसान नहीं होता। इसके लिए शारीरिक फिटनेस, टीम भावना और लगातार अभ्यास की आवश्यकता होती है। यश ने इन सभी कसौटियों पर खरा उतरकर मध्यप्रदेश की टीम में स्थान बनाया है। देपालपुर क्षेत्र के लोगों, खेल प्रेमियों और परिजनों ने यश पंचाल को बधाई दी है और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यश की इस उपलब्धि से देपालपुर के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

सोयाबीन संस्थान से लेकर बीएसएफ और पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय तक पहुंचा भ्रष्टाचार के खिलाफ संदेश

सत्यनिष्ठा से समृद्धि के संदेश के साथ मना सतर्कता जागरूकता सप्ताह, इंदौर में हुए कई कार्यक्रम

संदीप सेन-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देशन और उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 मनाया गया।

इंदौर। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चले इस सप्ताह के दौरान इंदौर में विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त कार्यालय इंदौर राजेश सहाय के मार्गदर्शन में सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर जागरूकता कार्यक्रम हुए।

सोयाबीन अनुसंधान संस्थान में पहला कार्यक्रम

दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को पहला कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक कुंवर हरेंद्र सिंह, विजिलेंस ऑफिसर जी के सातपुते की उपस्थिति में केंद्र के वैज्ञानिकों एवं स्टाफ को भ्रष्टाचार निवारण के लिए किए जाने वाले प्रयासों और आम नागरिकों की सहभागिता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कुंवर हरेंद्र सिंह ने बताया कि यह जानकारी सभी के लिए अत्यंत उपयोगी है,



जिसके माध्यम से संस्थान के कर्मचारी एवं उनके परिजन भ्रष्टाचार रोकने में अपना योगदान दे सकेंगे।

आकाशवाणी से प्रसारित हुई परिचर्चा

दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को आकाशवाणी इंदौर से प्रसारित कार्यक्रम में सतर्कता सप्ताह 2026 के अंतर्गत परिचर्चा के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया। इस परिचर्चा के माध्यम से भ्रष्टाचार रोकने के उपायों और नागरिकों की भूमिका पर जानकारी दी गई।

बीएसएफ के प्रशिक्षुओं को दी जानकारी

दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को ही सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपन्स एंड टैक्टिक्स, सीमा सुरक्षा बल इंदौर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी कमांडेंट अनूप कुमार की उपस्थिति में सीमा सुरक्षा बल के प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यक्रम के उद्देश्य, इस दौरान की जाने वाली कार्रवाई, भ्रष्टाचार रोकने में नागरिकों की सहभागिता आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में हुआ आयोजन

दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को कार्यक्रम पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय इंदौर में आयोजित किया गया।

इस दौरान भ्रष्टाचार को रोकने और एक ईमानदार समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया गया। उप पुलिस अधीक्षक आनंद चौहान द्वारा पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों को जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षुओं को बताया गया कि वे पुलिस विभाग में प्रवेश कर रहे हैं, अतः सेमिनार के माध्यम से प्राप्त जानकारी का उपयोग समाज में भ्रष्टाचार को रोकने एवं इस संबंध में जागरूकता फैलाने में कर सकते हैं।

होर्डिंग के माध्यम से पहुंचा संदेश

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सभी जिला मुख्यालयों में लगे होर्डिंग के माध्यम से भी आम जनता तक संदेश पहुंचाया गया। सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त संभाग के माध्यम से भ्रष्टाचार रोकने के प्रयासों में आम नागरिकों की भूमिका तथा संगठन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी प्रदान की गई।

भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें कैसे की जा सकती हैं, इस संबंध में जानकारी दी गई तथा कार्यक्रमों में सम्मिलित प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया।

पीथमपुर की आबोहवा में घुल रहा जहरीला धुआं, सांस लेना हुआ मुश्किल

चिमनियों से निकलता धुआं और आयशर चौराहा ब्रिज के पास फैलती तेज दुर्गंध से लोग परेशान, शिकायतों के बाद भी जांच और कार्रवाई नदारद



संदीप सेन-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर में विकास और रोजगार के दावों के बीच प्रदूषण की समस्या गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं और आयशर चौराहे के ब्रिज के आसपास फैलने वाली तेज दुर्गंध लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। सवाल यह है कि शिकायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था आखिर क्यों निष्क्रिय बनी हुई है।

चिमनियों से निकलने वाला धुआं, दूर तक फैलती दुर्गंध

पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में चिमनियों से निकलने वाला धुआं और आयशर चौराहे के आसपास महसूस होने वाली दुर्गंध स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों का कहना है कि कई बार दुर्गंध इतनी तेज होती है कि वहां कुछ देर खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। औद्योगिक गतिविधियों के बीच हवा की गुणवत्ता को लेकर लोगों की चिंताएं बढ़ रही हैं। स्थानीय स्तर पर सेक्टर-1 स्थित सतगुरु एल्युमिनियम और हर्बल उत्पाद बनाने वाली औद्योगिक इकाई की गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों की मांग है कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं, गैसों और दुर्गंध के



स्रोत की जांच की जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। हालांकि, इन इकाइयों से निकलने वाले धुएं और दुर्गंध के वास्तविक स्रोत की पुष्टि तकनीकी जांच से ही हो सकेगी।

आंखों में जलन और त्वचा संबंधी समस्याओं की शिकायतें

औद्योगिक प्रदूषण का असर केवल वातावरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रदूषकों के प्रकार और उनकी मात्रा के आधार पर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। स्थानीय स्तर पर आंखों में जलन और त्वचा संबंधी समस्याओं को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। हालांकि, इन स्वास्थ्य समस्याओं का किसी विशेष औद्योगिक इकाई से सीधा संबंध स्थापित करने के लिए चिकित्सकीय और पर्यावरणीय जांच जरूरी है। इसके बावजूद क्षेत्र में फैल रही दुर्गंध की शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लगातार ऐसी परिस्थितियों का सामना करने वाले लोगों की परेशानी को देखते हुए प्रदूषण के स्रोत की पहचान महत्वपूर्ण है।

कंपनी प्रबंधन की जिम्मेदारी पर सवाल

औद्योगिक इकाइयों से पर्यावरणीय मानकों का पालन करने और प्रदूषण को नियंत्रित रखने की अपेक्षा की जाती है। स्थानीय स्तर पर कंपनी प्रबंधन की कार्यप्रणाली और प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप हैं कि औद्योगिक गतिविधियों के कारण आसपास के वातावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यदि किसी औद्योगिक इकाई से निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण फैलने की पुष्टि होती है, तो संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे में औद्योगिक इकाइयों के उत्सर्जन, चिमनियों से निकलने वाले धुएं और अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति की जांच महत्वपूर्ण है।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग की निगरानी पर सवाल

पीथमपुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण की निगरानी और पर्यावरणीय नियमों का पालन सुनिश्चित करना मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आयशर चौराहे के आसपास दुर्गंध की शिकायतों के बीच विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। दिन और रात के समय होने वाली औद्योगिक गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन-रात चलने वाली औद्योगिक गतिविधियों के बीच प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था आखिर कहां है। यदि निगरानी व्यवस्था प्रभावी होती तो चिमनियों से निकलने वाले धुएं और दुर्गंध की शिकायतें इस स्तर तक नहीं पहुंचतीं।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

पीथमपुर में प्रदूषण की शिकायतें नई नहीं हैं, लेकिन प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अब तक ठोस जांच, सार्वजनिक रिपोर्ट और सख्त कार्रवाई सामने नहीं आई है। यही कारण है कि लोगों में यह धारणा मजबूत हो रही है कि औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई के बजाय शिकायतों को टाला जा रहा है। जनता का सवाल सीधा है, जब हवा में दुर्गंध और धुआं खुलेआम दिखाई और महसूस हो रहा है, तो जिम्मेदार विभाग उसे मापने, स्रोत पहचानने और रोकने में क्यों विफल हो रहा है। क्षेत्र के लोगों की मांग है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तत्काल मौके पर जांच करे, उत्सर्जन के नमूने ले, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे और मानकों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित इकाई के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करे।

इंदौर में तीन दिनों में छह दिवंगतों का अंग एवं देहदान संपन्न

अंगदान और देहदान के माध्यम से मानवता की सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहे शहरवासी

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। इंदौर में अंगदान एवं देहदान के प्रति जागरूकता और सेवा भावना का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिल रहा है। शहर में महज तीन दिनों के भीतर छह दिवंगतों के निधन के पश्चात उनके परिजनों द्वारा अंग एवं देहदान कर मानवता की सेवा का पुनीत कार्य किया गया। इनमें श्रीमती सूर्यकला शर्मा, श्री देवेंद्र कुमार जैन, श्रीमती शांति देवी छाबड़ा, श्रीमती हेमा भंडारी, श्री रमेश चंद जैन (लोनारा) एवं श्रीमती राजरानी डाबर शामिल हैं। इसी क्रम में यशवंत निवास रोड, इंदौर निवासी 57 वर्षीय श्रीमती हेमा भंडारी का देर रात 12:30 बजे निधन हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में ही अंग एवं देहदान का संकल्प लिया था। उनके निधन के बाद अगले दिन सुबह 10 बजे अंगदानी श्री संजय कासलीवाल के सहयोग से भंडारी परिवार ने मुस्कान ग्रुप के सेवादारों से संपर्क कर अंग एवं देहदान की प्रक्रिया संपन्न कराने का अनुरोध किया। स्वर्गीय श्रीमती हेमा भंडारी के नेत्र शंकरा आई बैंक को तथा त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को दान की गई। वहीं, उनकी पार्थिव देह जबलपुर स्थित सुखसागर मेडिकल कॉलेज को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के उद्देश्य से दान की गई।



शासकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

स्वर्गीय श्रीमती हेमा भंडारी को उनके निवास स्थान के सामने मध्यप्रदेश शासन की ओर से आठ सदस्यीय पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समाजजनों एवं परिजनों द्वारा अंतिम दर्शन किए जाने के पश्चात दोपहर करीब तीन बजे उनकी पार्थिव देह को सम्मानपूर्वक सुखसागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर श्वेतांबर जैन समाज इंदौर के वरिष्ठ श्री हिम्मत जैन ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं, मुस्कान ग्रुप के प्रभारी सेवादार श्री संदीपन आर्य ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंगदान एवं देहदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाजजनों से इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने तथा जरूरतमंदों को नया जीवन देने में सहभागी बनने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर अंगदान एवं देहदान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। शासकीय सम्मान के साथ देहदान की प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद से शहर में 70 से अधिक देहदान संपन्न हो चुके हैं।

अंतर्राज्यीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह के आरोपी रिजवान की जमानत याचिका खारिज

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स,क्षेत्रीय इकाई इंदौर ने काले हिरण एवं चिंकारा का शिकार कर अंतर्राज्यीय स्तर पर तस्करी करने वाले संगठित गिरोह के आरोपी रिजवान की जमानत याचिका उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर द्वारा 29 अक्टूबर, 2026 को खारिज कर दी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स क्षेत्रीय इकाई इंदौर ने वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम और भारतीय वन अधिनियम के तहत एक बड़ी कानूनी सफलता हासिल की है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव के दिशा-निर्देश में एसटीएफ इकाई इंदौर, स्थानीय पुलिस और वन मण्डल इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में किशनगंज इंदौर क्षेत्र में एक विशेष कार्रवाई की गई थी। इस दौरान लगभग 65 किलोग्राम वन्य-जीव मांस, एक देशी पिस्टल, 3 जीवित कारतूस तथा तस्करी में प्रयुक्त टोयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहन जप्त कर 3 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इस संदर्भ में वन मण्डल इंदौर द्वारा भारतीय वन अधिनियम-1927 एवं वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम-1972 के प्रावधानों के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण 3 दिसम्बर, 2024 को दर्ज किया गया था। प्रकरण की संवेदनशीलता और गिरोह के व्यापक नेटवर्क को देखते हुए अग्रिम विवेचना का दायित्व स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इंदौर को सौंपा गया था। जाँच के दौरान नवीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाते हुए एसटीएसएफ ने अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह के विरुद्ध पृथक प्रकरण दर्ज कर गहन जाँच प्रारंभ की, जिसमें मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र व गैर वन क्षेत्र के साथ ही पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर वन्य-जीवों के अवैध शिकार और इस अपराध के अंतर्राज्यीय स्तर पर जुड़े होने का मामला उजागर हुआ।

इसमें आरोपी रिजवान को एसटीएफ द्वारा 4 फरवरी, 2026 को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर वन्य-जीव के सींग, एक राइफल और 20 जिंदा कारतूस बरामद किये गये। विवेचना के दौरान विभिन्न वन क्षेत्र एवं गैर वन क्षेत्रों के आरोपी की संलिप्तता लगातार पाई गई।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 3 नवम्बर 2026

INDIA गठबंधन की रैली के बाद BJP-कांग्रेस में घमासान,

संपादकीय
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित INDIA गठबंधन की महारैली के बाद भारतीय जनता पार्टी (BJP) और कांग्रेस के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

रैली में जुटी भीड़ और दिल्ली के कारोबार पर इसके असर को लेकर दोनों दल आमने-सामने हैं। भाजपा की ओर से रैली के आयोजन और व्यापारियों को होने वाली परेशानी को लेकर सवाल उठाए गए, वहीं कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे विपक्षी एकजुटता को कमजोर करने की कोशिश बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि INDIA गठबंधन की महारैली को बदनाम करने के लिए चलाया गया भाजपा का पूरा प्रोपेगेंडा पंक्चर हो गया है। दरअसल, रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली में विपक्षी INDIA गठबंधन के कई प्रमुख नेता और देशभर से आए कार्यकर्ता शामिल हुए थे। रैली में चुनावी प्रक्रिया, कथित वोट चोरी और चुनाव आयोग की जवाबदेही जैसे मुद्दे उठाए गए। आयोजन से पहले ही दिल्ली के व्यापारिक संगठनों ने रैली के कारण बाजारों, यातायात और कारोबार पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर चिंता जताई थी। इसके बाद भाजपा ने भी इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस और INDIA गठबंधन पर निशाना साधा। रैली के बाद अब व्यापारिक गतिविधियों को लेकर दोनों पक्षों के दावे राजनीतिक बहस का केंद्र बन गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा ने महारैली को बदनाम करने और देशभर से लोगों को दिल्ली आने से हतोत्साहित करने के लिए व्यापारियों के नुकसान और बाजार बंद होने का डर फैलाया था। उन्होंने कहा कि जब देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचेंगे, तो वे राजधानी के बाजारों में खरीदारी भी करेंगे। इससे व्यापारियों, दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सकता है। उनके मुताबिक, भाजपा ने रैली को लेकर कारोबार प्रभावित होने का जो माहौल बनाने की कोशिश की थी, उसका असर वैसा नहीं हुआ जैसा दावा किया जा रहा था। जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली के लोगों और देशभर से रैली में शामिल होने आए कार्यकर्ताओं ने कथित दुष्प्रचार का जवाब अपने तरीके से दिया।

पटरियों पर दौड़ी 130 की रफ्तार,

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना ने भरी नई उड़ान

टीही-धार रेलखंड पर इलेक्ट्रिक लोको का सफल स्पीड ट्रायल
5 और 6 नवंबर को रेल संरक्षा आयुक्त करेंगे निरीक्षण



अभिषेक खंडेलवाल
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत टीही-धार रेलखंड पर सोमवार को इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का सफल स्पीड ट्रायल किया गया। परीक्षण के दौरान इलेक्ट्रिक लोको को अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। ट्रायल के माध्यम से रेलखंड पर ट्रैक, विद्युतीकरण और सिग्नलिंग व्यवस्था की कार्यक्षमता को परखा गया। यह उपलब्धि क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

चार चरणों में परखी गई रेलखंड की क्षमता

टीही-धार रेलखंड पर अलग-अलग चरणों में गति बढ़ाते हुए परीक्षण किया गया। पहले चरण में टीही से धार तक 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लोको चलाया गया। दूसरे चरण में धार से टीही की ओर वापसी के दौरान गति 75 किलोमीटर प्रति घंटे रखी गई। तीसरे चरण में टीही से धार की ओर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से परीक्षण किया गया। अंतिम चरण में धार से टीही की ओर इलेक्ट्रिक लोको को



अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाया गया। स्पीड ट्रायल के दौरान अलग-अलग गति पर रेलखंड की स्थिति और तकनीकी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक सफल परीक्षण से इस रेलखंड की तकनीकी तैयारियों को परखने में मदद मिली है। हालांकि, रेलखंड पर नियमित रेल परिचालन शुरू होने के संबंध में अंतिम स्थिति संबंधित निरीक्षण और आवश्यक स्वीकृतियों के बाद ही स्पष्ट होगी।

25 हजार वोल्ट की बिजली से हुआ विद्युतीकरण परीक्षण

टीही-धार रेलखंड पर 25 केवी एसी ओवरहेड विद्युत लाइन को ऊर्जीकृत किया गया है। इसके बाद इलेक्ट्रिक लोको के माध्यम से परीक्षण किया गया। इस दौरान रेलवे ट्रैक, विद्युत लाइन और सिग्नलिंग प्रणाली से जुड़ी व्यवस्थाओं की जांच की गई। इलेक्ट्रिक लोको के सफल ट्रायल को रेलखंड पर विद्युतीकरण से संबंधित कार्यों की प्रगति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

5 और 6 नवंबर को रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण

रेलवे की योजना के अनुसार, पश्चिमी सर्किल के रेल संरक्षा आयुक्त ई. श्रीनिवास 5 और 6 नवंबर 2026 को इस रेलखंड का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से परीक्षण किए जाने का प्रस्ताव है। रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण और निर्धारित प्रक्रिया के बाद ही रेलखंड की परिचालन संबंधी तैयारियों पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। इस परीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण धीरज कुमार सहित रेलवे के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए इस ट्रायल के माध्यम से रेलखंड की तकनीकी व्यवस्थाओं को जांचने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

टिकट बांटने का अधिकार सिर्फ राजनीतिक दलों तक क्यों?

उम्मीदवारों के चयन में मिले मतदाताओं को भी भूमिका

चुनावी त्रिलोचन शास्त्री ने उठाए सवाल, बोले-अमेरिका और यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारत में भी हो उम्मीदवारों का चयन; मजबूत होगा जमीनी लोकतंत्र

नई दिल्ली। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव के दौरान मतदाताओं को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार तो मिलता है, लेकिन चुनाव मैदान में कौन उम्मीदवार उतरेगा, इसका फैसला आमतौर पर राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। राजनीतिक दलों की यही व्यवस्था अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सुधार की जरूरत को लेकर बहस का विषय बन रही है। देश की राजनीति में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाने की मांग उठ रही है। इस संबंध में त्रिलोचन शास्त्री ने सुझाव दिया है कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के चयन में केवल राजनीतिक दलों के नेताओं की भूमिका नहीं होनी चाहिए, बल्कि मतदाताओं और पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को भी निर्णय लेने का अवसर मिलना चाहिए। त्रिलोचन शास्त्री का मानना है कि भारत में राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी है। अधिकांश दलों में उम्मीदवारों को टिकट देने का फैसला कुछ चुनिंदा नेता या पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करता है। इस प्रक्रिया में आम कार्यकर्ताओं, पार्टी सदस्यों और संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं की राय को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता। ऐसे में कई बार चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन उनकी योग्यता, सामाजिक योगदान और साफ-सुथरी छवि के बजाय राजनीतिक समीकरणों, व्यक्तिगत प्रभाव और चुनाव जीतने की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। उनका कहना है कि जब तक उम्मीदवारों के चयन की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव नहीं होगा, तब तक राजनीति में बेहतर और योग्य लोगों की भागीदारी बढ़ाना चुनौतीपूर्ण बना रहेगा।

जनप्रतिनिधियों को टिकट दिए जाने के मुद्दे पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि कई सांसदों और विधायकों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने के बावजूद राजनीतिक दल उन्हें चुनावी मैदान में उतारते हैं।

उन्होंने देश के उच्च सदनों का उदाहरण देते हुए कहा कि राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषदों के गठन के पीछे एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अनुभवी, योग्य और विषयों की गहरी जानकारी रखने वाले लोगों को विधायी प्रक्रिया में शामिल करना था। उम्मीद की गई थी कि ऐसे लोग कानून बनाने, नीतियों पर चर्चा करने और शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपना योगदान देंगे। लेकिन वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में इन सदनों तक पहुंचने के लिए भी राजनीतिक समीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कई बार विशेषज्ञता और अनुभव रखने वाले लोगों की तुलना में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों को प्राथमिकता मिल जाती है। इससे उच्च सदनों के गठन के पीछे की मूल भावना प्रभावित होती है।

त्रिलोचन शास्त्री के अनुसार, इस स्थिति की एक प्रमुख वजह राजनीतिक दलों के भीतर लोकतांत्रिक व्यवस्था का कमजोर होना है। उनका कहना है कि जब राजनीतिक दल खुद अपने आंतरिक निर्णयों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन नहीं करते, तो उनसे व्यापक लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की उम्मीद करना मुश्किल हो जाता है। टिकट वितरण की प्रक्रिया में भी यही स्थिति दिखाई देती है। पार्टी के शीर्ष स्तर पर बैठे कुछ लोग यह तय कर लेते हैं कि किस व्यक्ति को चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा। इस निर्णय में स्थानीय कार्यकर्ताओं और जनता की पसंद कई बार पीछे छूट जाती है।

इससे राजनीति में स्वच्छ छवि और बेहतर सार्वजनिक जीवन वाले लोगों के प्रवेश को लेकर सवाल खड़े होते हैं। हालांकि, किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना अपने आप में अपराध सिद्ध होना नहीं है, लेकिन उम्मीदवारों के चयन में उनके आपराधिक मामलों की प्रकृति और गंभीरता को लेकर पारदर्शिता जरूरी है।

उनका मानना है कि मौजूदा व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामने भी राजनीतिक करियर को सुरक्षित रखने की चुनौती रहती है।

बेटमा में बिना डिग्री और बिना अनुमति क्लिनिक चलाने का आरोप, रजिस्ट्रेशन की अवधि भी समाप्त



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

संचालक ने माना - 7-8 माह से चल रहा है दवाखाना, बीएमओ बोलीं - जांच कराएंगे, रजिस्ट्रेशन नहीं मिला तो होगी वैधानिक कार्रवाई

बेटमा। सागौर कुटी रोड, टी.डी.एस सिटी कॉलोनी में मिंता क्लिनिक के नाम से दवाखाना संचालित करने वाले डॉ. सुरोजित सरकार पर बिना डिग्री और बिना क्लिनिक अनुमति के इलाज करने का आरोप लगा है। आरोप है कि अखिल भारतीय स्वास्थ्य एवं कौशल शिक्षा परिषद द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन की समय अवधि भी समाप्त हो चुकी है और रजिस्ट्रेशन को रिन्यू भी नहीं कराया गया है। मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विभा नागर ने जांच कराने और रजिस्ट्रेशन नहीं मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की बात कही है।



मिंता क्लिनिक के बाहर लगे बोर्ड पर डॉ.

सुरोजित सरकार (सी.एम.एस एंड ई.डी.) लिखा है। साथ ही रजिस्ट्रेशन नंबर आरएन 711333 अंकित है। बोर्ड पर चर्म रोग और जोड़ों के दर्द के सफलतापूर्वक इलाज का दावा किया गया है। आरोप है कि संचालक के पास मान्यता प्राप्त चिकित्सा डिग्री नहीं है और क्लिनिक संचालन के लिए नियमानुसार अनुमति भी नहीं ली गई है। इसके बावजूद डॉक्टर लिखकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में डॉ. सुरोजित सरकार का कहना है कि वह यहां पर 7-8 माह से दवाखाना चला रहे हैं। उनके द्वारा अखिल भारतीय स्वास्थ्य एवं कौशल शिक्षा परिषद द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया गया है। सर्टिफिकेट के अवलोकन में सामने आया है कि इसमें कोर्स कम्युनिटी मेडिकल सर्विसेज एंड एसेंशियल ड्रग्स अंकित है। सर्टिफिकेट में ही यह भी लिखा है कि जारी करने वाली संस्था नॉन-स्टेच्यूटरी बॉडी है और यूजीसी, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, एआईसीटीई के दायरे में नहीं आती। साथ ही सर्टिफिकेट राज्य के कानूनों और सुपर स्पेशलिस्ट के सुपरविजन के अधीन होना अंकित है। आरोप के अनुसार परिषद द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन की समय अवधि निकल गई है और रजिस्ट्रेशन को रिन्यू नहीं कराया गया है।



इसी आधार पर सवाल उठ रहा है कि अवधि समाप्त रजिस्ट्रेशन के आधार पर डॉक्टर लिखकर स्वतंत्र रूप से इलाज कैसे किया जा रहा है। मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विभा नागर का कहना है कि जांच करवा लेते हैं, अगर रजिस्ट्रेशन नहीं मिलता है तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जांच में रजिस्ट्रेशन की वर्तमान स्थिति, रिन्यूअल, डिग्री की मान्यता, क्लिनिक की अनुमति और बोर्ड पर किए जा रहे दावों की जांच की जाएगी। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मिंता क्लिनिक का संचालन नियमानुसार है या बिना डिग्री और बिना अनुमति के चल रहा है।

पीथमपुर की खराब सड़कों के सुधार की मांग, कमल पटेल मिले केंद्रीय मंत्री ठाकुर से

महिंद्रा ब्रिज पर तीन बच्चों की मौत के बाद सड़क सुरक्षा का मुद्दा उठाया, दिल्ली में मुलाकात कर रखी क्षेत्र की समस्या



अभिषेक खंडेलवाल
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर में खराब सड़कों और सड़क सुरक्षा का मुद्दा अब दिल्ली तक पहुंच गया है। महिंद्रा ब्रिज पर हुए हादसे में तीन बच्चों की मौत के बाद क्षेत्र में सड़क की स्थिति सुधारने की मांग तेज हो गई है। इसी मामले को लेकर सोमवार को सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर से मुलाकात की और पीथमपुर की सड़कों को दुरुस्त कराने की मांग उठाई मुलाकात के दौरान कमल पटेल ने पीथमपुर में सड़कों की खराब स्थिति और इससे आम नागरिकों को होने वाली परेशानियों की ओर मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने महिंद्रा ब्रिज पर तीन बच्चों की मौत की घटना का उल्लेख करते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कदम उठाने की आवश्यकता पर चर्चा की।

हादसे के बाद सड़क सुधार की मांग तेज

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी वाहन, औद्योगिक कर्मचारी और आम नागरिक आवागमन करते हैं। ऐसे में सड़कों की खराब स्थिति दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाती है और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।



महिंद्रा ब्रिज पर तीन बच्चों की मौत की घटना ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र में सड़क की मरम्मत, आवागमन को सुरक्षित बनाने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की जा रही है।

दिल्ली में उठाया पीथमपुर का मुद्दा

सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल ने केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर से मुलाकात के दौरान पीथमपुर की सड़क संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान महू जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय, मुकेश शर्मा और चंद्रभान चौरसिया भी उपस्थित रहे।

MP में 19 IAS अफसरों को नए साल पर मिलेगा प्रमोशन, 3 बनेंगे प्रमुख सचिव; सामान्य प्रशासन विभाग ने शुरू की तैयारी

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

भोपाल। मध्य प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में नए साल के पहले दिन बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। प्रदेश के 19 भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारियों को 1 जनवरी 2027 से पदोन्नति का लाभ मिलने की संभावना है। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभाग की ओर से प्रमोशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए संबंधित अधिकारियों की सेवा संबंधी जानकारी और सतर्कता जांच रिपोर्ट जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

प्रस्तावित पदोन्नति प्रक्रिया के तहत कुल 19 IAS अधिकारियों के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। इनमें तीन अधिकारियों को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत किया जाना है, जबकि 16 अन्य अधिकारियों को भी अलग-अलग स्तर पर प्रमोशन का लाभ मिल सकता है। यदि निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूरी हो जाती है तो इन अधिकारियों के पदोन्नति आदेश 1 जनवरी 2027 से प्रभावी हो सकते हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की बैठक और निर्धारित प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही लिया जाएगा। इस संभावित पदोन्नति सूची में संजय गोयल, निशांत वरवड़े, ज्ञानेश्वर पाटिल, रुचिका चौहान, नेहा मारव्या और चंद्रमौली शुक्ला सहित कई अधिकारियों के नाम चर्चा में हैं। इनमें 2012 बैच के ऐसे IAS अधिकारी भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में कलेक्टर के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके अलावा कुछ अधिकारी अलग-अलग विभागों, निगम-मंडलों और अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने पदोन्नति की प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों की अद्यतन जांच रिपोर्ट मांगी है। इस संबंध में लोकायुक्त संगठन और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) को पत्र भेजकर सभी संबंधित अधिकारियों की जांच और सतर्कता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने इन रिपोर्टों को इसी महीने के दूसरे सप्ताह तक भेजने को कहा है, ताकि प्रमोशन की आगे की कार्रवाई निर्धारित समयसीमा में पूरी की जा सके। दरअसल, IAS अधिकारियों की पदोन्नति के लिए केवल वरिष्ठता ही आधार नहीं होती, बल्कि सेवा रिकॉर्ड, निर्धारित पात्रता, गोपनीय प्रतिवेदन और सतर्कता संबंधी स्थिति सहित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया जाता है। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ किसी तरह की लंबित जांच या अन्य प्रतिकूल जानकारी होने पर उसका भी नियमानुसार परीक्षण किया जाता है। इसी वजह से पदोन्नति से पहले विभिन्न जांच एजेंसियों से रिपोर्ट प्राप्त करना प्रशासनिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा माना जाता है।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 3 नवम्बर 2026

‘मृणाल ठाकुर’

सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं करूंगी काम



हालांकि, वह यह भी नहीं चाहती कि उसकी पहचान केवल गंभीर फिल्मों तक सीमित हो जाए। वह मनोरंजन और सामाजिक सरोकारों के बीच संतुलन बनाकर चलना चाहती है। उसके लिए जरूरी है कि दर्शकों को ऐसी कहानियां भी मिलें, जो उन्हें सोचने पर मजबूर करें, लेकिन सिनेमा का आनंद भी बरकरार रखें।

मृणाल ठाकुर के लिए किसी फिल्म का चुनाव सिर्फ उसके व्यावसायिक प्रदर्शन या बड़े सितारों से जुड़ाव के आधार पर नहीं होता। वह ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती है, जिनमें मनोरंजन के साथ कहने के लिए कुछ हो और अभिनय के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिले। ‘सुपर 30’ और ‘सीता रामम’ जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी मृणाल गंभीर सामाजिक विषयों पर बनी फिल्मों को भी अहमियत देती है। हाल ही में फिल्म ‘पूजा मेरी जान’ में रिजैक्शन जैसे संवेदनशील मुद्दे को पर्दे पर उतारने वाली अभिनेत्री ने अपने फिल्मी चुनाव, असफलताओं से मिलने वाली सीख और कलाकारों को लेकर बनने वाली धारणाओं पर खुलकर बात की।

मृणाल बताती है कि उसने ‘पूजा मेरी जान’ को ‘लव सोनिया’ के तुरंत बाद साइन किया था। यह पहली फिल्म थी, जिसे उसने खुद निर्माता से मांगा था। उसके लिए इस कहानी का विषय इतना महत्वपूर्ण था कि आज करियर के इस मुकाम पर पहुंचने के बाद भी अगर उसे ऐसा मौका मिलता, तो वह इसे जरूर चुनती।

उसके लिए फिल्म का विषय और उसमें अभिनय की संभावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। वह व्यावसायिक फिल्मों से दूरी बनाने के बजाय अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहती है। उसके अनुसार, कमर्शियल सिनेमा का हिस्सा होना और किसी कहानी में गहराई तलाशना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

मनोरंजन के साथ दमदार अभिनय भी जरूरी

मृणाल का मानना है कि ऐसी फिल्में चुननी चाहिए, जिनमें कलाकार को अपनी परफॉर्मेंस दिखाने का अवसर मिले। वह ‘सुपर 30’ और ‘सीता रामम’ जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए बताती है कि व्यावसायिक फिल्मों में भी कहानी और विषय की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए। उसके लिए सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कंटेंट चुनना भी जरूरी है, जो उसे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ाए।

हालांकि, वह यह भी नहीं चाहती कि उसकी पहचान केवल गंभीर फिल्मों तक सीमित हो जाए। वह मनोरंजन और सामाजिक सरोकारों के बीच संतुलन बनाकर चलना चाहती है। उसके लिए जरूरी है कि दर्शकों को ऐसी कहानियां भी मिलें, जो उन्हें सोचने पर मजबूर करें, लेकिन सिनेमा का आनंद भी बरकरार रखें।

अपनी पसंद की फिल्मों और अभिनय की दिशा को लेकर मृणाल तब्बू, विद्या बालन, करीना कपूर और श्रीदेवी जैसी अभिनेत्रियों से प्रेरणा लेती है। वह मानती है कि इन कलाकारों ने मनोरंजन और सामाजिक विषयों के बीच संतुलन बनाते हुए अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं।

मृणाल भी इसी रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है। उसकी कोशिश ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनने की है, जो प्रासंगिक मुद्दों को सामने लाएं और दर्शकों को समाज में हो रही घटनाओं के प्रति जागरूक करें। वह चाहती है कि कहानियां केवल समस्याएं दिखाने तक सीमित न रहें, बल्कि उनके जरिए सकारात्मक बदलाव और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश भी सामने आए।

बायोपिक करने से लगता है डर

किसी मशहूर अभिनेत्री या चर्चित व्यक्तित्व की जिंदगी को पर्दे पर निभाने के सवाल पर मृणाल स्वीकार करती है कि वह बायोपिक करने से थोड़ा डरती है। उसके मुताबिक, ऐसी फिल्मों में सही कास्टिंग बेहद महत्वपूर्ण होती है। अगर कलाकार पर्दे पर उस शख्सियत के रूप में विश्वसनीय नहीं लगता, तो कहानी का प्रभाव कम हो सकता है।

मृणाल स्पष्ट करती है कि वह अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों की जगह लेने या उनके जैसी दिखने की कोशिश नहीं करना चाहती। अगर किसी फिल्मकार को लगता है कि वह किसी वास्तविक व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए उपयुक्त है, तो वह इस फैसले को निर्देशक पर छोड़ना पसंद करेगी। उसके लिए बायोपिक में सबसे अहम बात यह है कि दर्शकों को कलाकार और वास्तविक शख्सियत के बीच समानता महसूस हो। वह ऐसी भूमिका नहीं करना चाहती जिसमें दर्शकों को यह विश्वास दिलाने में ही फिल्म का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाए कि पर्दे पर दिखाई देने वाला व्यक्ति वही है, जिसकी जिंदगी पर कहानी आधारित है।

रिजैक्शन को मानती है नए मौके की शुरुआत

मृणाल अपने करियर में मिले रिजैक्शन को नकारात्मक अनुभव के रूप में नहीं देखती। उसका मानना है कि किसी भूमिका के लिए कलाकार का चयन न होना इस बात का संकेत हो सकता है कि वह उस किरदार के लिए उपयुक्त नहीं था। वह अपने अनुभव साझा करते हुए बताती है कि रिजैक्शन के बाद ही उसे ‘लव सोनिया’ और ‘सीता रामम’ जैसी फिल्में मिलीं।

यह तो वक्त ही बताएगा : ‘अमन गांधी’

-लिपिका वर्मा-

‘नागिन 3’, ‘भाग्य लक्ष्मी’, ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2’, ‘क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं’ के लिए प्रसिद्ध अमन गांधी ने हाल ही में ‘बिग बॉस सीजन 20’ में भाग लिया। पेश हैं उनके साथ हुई एक बातचीत के कुछ अंश :



‘बिग बॉस’ के अनुभव ने आपको कितना बदला है और भविष्य को लेकर आपकी क्या उम्मीदें हैं ?

-सच कहूं तो इस समय मैं इस बात को लेकर ज्यादा उत्सुक हूं कि ‘बिग बॉस’ के अनुभव से मेरी असल जिंदगी में क्या बदलाव आएंगे, बजाय इसके कि इस अनुभव ने मुझे कितना बदला है। घर के अंदर रहने का जो शुरुआती हैंगओवर है, वह धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा। मुझे खुशी है कि मैंने अपनी कोई नकारात्मक छवि नहीं बनाई, इसलिए इस मामले में मुझे ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। आने वाले दिनों में यह अनुभव मेरे लिए क्या बदलाव लेकर आता है, यह तो समय ही बताएगा।

शो के दौरान आपने साफ किया था कि आप स्ट्रेट हैं। उस बातचीत को आज आप किस तरह देखते हैं ?

-कभी-कभी जब आप किसी बहस में होते हैं, तो पीछे नहीं हटना चाहते। आप बिना लड़ाई किए या वहां से उठकर गए बिना अपनी बात पर मजबूती से खड़े रहना चाहते हैं। उस समय मेरी भी यही स्थिति थी। अंदर से मुझे अजीब लग रहा था, क्योंकि दोस्तों के बीच इस तरह की बातचीत स्वाभाविक हो सकती है, लेकिन वह मेरा दोस्त नहीं था और यह सब राष्ट्रीय टैलीविजन पर हो रहा था।

‘बिग बॉस’ के घर में अपनी असली पर्सनैलिटी दिखाने से आपको किस चीज ने रोका ?

-मैं सोचता रहता था कि कहीं मेरी कही हुई कोई बात आगे चलकर परेशानी न बन जाए। एक और चुनौती यह थी कि लोग कई बार आपकी बात को समझने के बजाय उसमें छिपे हुए मतलब तलाशने लगते थे।

बेंच पर बैठे वैभव कब तक देखेंगे संजू का फ्लॉप शो? टीम मैनेजमेंट पर फिर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम अभी शुरुआती झटकों से उबर भी नहीं पाई थी कि तेज गेंदबाज एडम मिल्ने ने एक और बड़ा हमला कर दिया। मिल्ने ने अपने ओवर की पहली गेंद पर विकेट लेने का सिलसिला जारी रखते हुए संजू सैमसन को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। संजू महज 10 गेंदों का सामना कर चार रन बनाकर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल ने उनका कैच लपका। इससे पहले मिल्ने अपने स्पेल के पहले ओवर की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा को भी एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर चुके थे।

संजू के इस तरह सस्ते में आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों का गुस्सा फूट पड़ा। फैन्स ने उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाने के साथ ही टीम प्रबंधन के फैसलों को भी निशाने पर लिया। सबसे ज्यादा चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है। प्रशंसकों का मानना है कि लगातार मौके मिलने के बावजूद संजू उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जबकि वैभव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को बाहर बैठाना समझ से परे है।

पांच में एक अच्छी पारी, बाकी में निराशा

संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों का कहना है कि उनके बल्ले से कभी-कभार बड़ी पारी जरूर निकलती है, लेकिन निरंतरता की कमी टीम के लिए परेशानी बन रही है। पांच मुकाबलों में एक अच्छी पारी खेलने के बाद बाकी मैचों में उनका जल्दी आउट होना चिंता का विषय बन गया है। टी20 क्रिकेट में जहां हर गेंद और हर रन की अहमियत होती है, वहां शीर्ष क्रम के बल्लेबाज से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। संजू को मिले अवसरों के बावजूद उनका बल्ला अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि अब उनके चयन को लेकर भी बहस तेज हो गई है।





विश्व कप फाइनल के बाद आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

साल 2026 के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से संजू सैमसन का प्रदर्शन भी उनके आलोचकों के निशाने पर है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इस मुकाबले से पहले के 19 मैचों में उन्होंने 23 की औसत से रन बनाए हैं। यह आंकड़ा उनकी मौजूदा फॉर्म पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का मानना है कि संजू में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में वह नाकाम रहे हैं। खासकर गेंद के मूवमेंट के सामने उनकी बल्लेबाजी तकनीक को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। तेज गेंदबाजों के खिलाफ शुरुआती ओवरों में उनका विकेट गंवाना टीम की मुश्किलें बढ़ा रहा है।

वैभव को बाहर बैठाने पर टीम प्रबंधन निशाने पर

संजू के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन के बीच वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिलने से प्रशंसकों की नाराजगी और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसक सवाल उठा रहे हैं कि आखिर वैभव को कब तक बाहर बैठाया जाएगा। उनका कहना है कि युवा बल्लेबाज को मौका देकर उसकी क्षमता परखनी चाहिए। वैभव ने कम उम्र में ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए प्रशंसक उन्हें भारतीय टीम में भी खेलते देखना चाहते हैं।

मीम्स के जरिए भी निकाली नाराजगी

संजू के आउट होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। कुछ प्रशंसकों ने टीम प्रबंधन के चयन संबंधी फैसलों पर तंज कसा, तो कुछ ने वैभव को मौका नहीं देने को युवा प्रतिभा के साथ अन्याय बताया। प्रशंसकों का तर्क है कि जब संजू लगातार मौके मिलने के बावजूद रन नहीं बना पा रहे हैं, तो वैभव को आजमाने में क्या परेशानी है?अब सवाल यह है कि क्या टीम प्रबंधन संजू के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए कोई बदलाव करेगा या उन्हें एक और मौका दिया जाएगा?

बालों की बढ़ती समस्याएं बनीं चिंता, झड़ने से लेकर समय से पहले सफेद होने तक परेशान लोग

नई दिल्ली एजेंसी

बालों का झड़ना, रूखापन, दोमुंहे बाल और समय से पहले सफेद होने की समस्या आजकल कई लोगों में देखने को मिल रही है। तनाव, नींद की कमी, बदलती जीवनशैली और शरीर में पोषक तत्वों की कमी बालों की सेहत को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में बालों की देखभाल के लिए बाहरी उत्पादों के साथ-साथ खानपान पर ध्यान देना भी जरूरी है। संतुलित आहार शरीर को स्वस्थ रखने और बालों की सामान्य वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने में मदद करता है। अलसी, कद्दू, सूरजमुखी, तिल और चिया जैसे बीज प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिन और मिनरल्स के अच्छे स्रोत हैं। इन पांचों बीजों को मिलाकर घर पर पौष्टिक पाउडर तैयार किया जा सकता है, जिसे रोजमर्रा की डाइट में शामिल करना आसान है।

1. अलसी के बीजः ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत- अलसी के बीज पोषण के लिहाज से काफी उपयोगी माने जाते हैं। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है। अलसी में मौजूद अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ALA) शरीर के लिए आवश्यक फैटी एसिड है, जो संतुलित आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

बालों की सेहत के लिए पर्याप्त पोषण जरूरी है। अलसी को नियमित और संतुलित मात्रा में खाने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल सकते हैं। हालांकि, केवल अलसी खाने से बालों का झड़ना रुकने या नए बाल उगने की गारंटी नहीं है। इसे पौष्टिक आहार के एक हिस्से के रूप में शामिल करना बेहतर है।

कैसे इस्तेमाल करें: अलसी के बीजों को धीमी आंच पर हल्का भूनकर ठंडा कर लें। इसके बाद इन्हें अन्य बीजों के साथ पीसकर पाउडर तैयार किया जा सकता है।

2. कद्दू के बीजः जिंक और प्रोटीन से भरपूर

कद्दू के बीजों में जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिंक शरीर की सामान्य वृद्धि, कोशिकाओं के कामकाज और बालों के सामान्य विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में जिंक या आयरन की कमी होने पर कुछ लोगों में बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है।

कद्दू के बीजों को आहार में शामिल करने से शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व मिल सकते हैं। इनमें मौजूद प्रोटीन भी शरीर की जरूरतों को पूरा करने में योगदान देता है। हालांकि, यदि बाल लगातार झड़ रहे हैं, तो केवल बीजों पर निर्भर रहने के बजाय समस्या के वास्तविक कारण का पता लगाना जरूरी है। कैसे इस्तेमाल करें: कद्दू के बीजों को हल्का भूनकर पाउडर में मिलाएं।

कर्तव्य की वेदी पर शहीद हुए निरीक्षक दिलीप पुरी

अवैध शराब तस्कर ने गाड़ी चढ़ाकर की हत्या



संदीप सेन-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

मुख्यमंत्री ने पत्नी को एसआई पद पर अनुकंपा नियुक्ति और परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता के दिए निर्देश, तीन आबकारी अधिकारी निलंबित, फरार आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम

देवास / हरदा। अवैध शराब की बड़ी खेप को गुजरात ले जा रहे आयशर वाहन को रोकने के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी शहीद हो गए। तस्कर ने जान से मारने की नीयत से गाड़ी निरीक्षक पर चढ़ा दी और वाहन लेकर भाग गया। घटना में आरक्षक सोहन जाट भी घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग में बड़ी कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहीद के परिवार को 1 करोड़ की सहायता और पत्नी को एसआई पद पर अनुकंपा नियुक्ति के निर्देश दिए हैं।



कैसे हुई घटना

दिनांक 2 नवंबर 2026 को रात्रि में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अवैध शराब की बड़ी मात्रा एक आयशर गाड़ी क्र. एमपी 43 एच 4786 से टिमरनी जिला हरदा से गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कन्नौद के निर्देशन में चार टीमें गठित की गईं। नाकेबंदी के दौरान अवैध शराब से भरी आयशर गाड़ी संदलपुर फाटा नर्मदा ढाबा के सामने खड़ी दिखाई दी। थाना प्रभारी खातेगांव दिलीप पुरी द्वारा ड्राइवर को वाहन से नीचे उतरकर वाहन की तलाशी देने को कहा गया, तब आयशर वाहन के ड्राइवर ने थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी को जान से मारने की नीयत से अपनी गाड़ी उनके ऊपर चढ़ा दी और अवैध शराब से भरी गाड़ी लेकर वहां से भाग गया। उपचार के दौरान निरीक्षक दिलीप पुरी का दुखद निधन हो गया। घटना में आरक्षक सोहन जाट पर भी चालक द्वारा गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया गया, जिसमें वह घायल हो गया है।

पुलिस ने पकड़ा वाहन, दर्ज हुआ प्रकरण

घटना के पश्चात पुलिस की विभिन्न टीमों ने दबिश देकर अवैध शराब से भरे वाहन को पकड़ लिया है। इस घटना की एफआईआर थाना खातेगांव में धारा 103(1), 109(1), 121(2), 3(5) बीएनएस एवं 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दर्ज की गई है। विवेचना के दौरान आई जानकारी के अनुसार आयशर चालक का नाम गजेन्द्र उर्फ अक्कू रावत है, जो जिला अलीराजपुर का निवासी है। जिसको केरम सिंह के द्वारा वाहन उपलब्ध करवाया गया था। केरमसिंह चंगोद निवासी जिला अलीराजपुर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

पूरे नेटवर्क का हुआ खुलासा

विवेचना में आई जानकारी के अनुसार उक्त अवैध शराब टिमरनी जिला हरदा से आ रही थी एवं गुजरात ले जाई जा रही थी। शराब ठेका पाटेन्द्र जायसवाल निवासी जिला बड़वानी के नाम पर है और इसमें इनके साथ राहुल जायसवाल, मनीष जायसवाल और मोहन जायसवाल प्रत्येक की भागीदारी 30-30 प्रतिशत है एवं पाटेन्द्र जायसवाल की भागीदारी मात्र 10 प्रतिशत है। इनमें से मनीष जायसवाल इंदौर में रहता है, मोहन जायसवाल गुजरात में रहता है और पाटेन्द्र जायसवाल जिला बड़वानी में रहता है। राहुल जायसवाल जो टिमरनी जिला हरदा का निवासी है, उसके विरुद्ध जिला हरदा में भादवि की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। राहुल जायसवाल हरदा में रहकर अवैध शराब की गुजरात तक तस्करी के नेटवर्क का संचालन करता है। राहुल जायसवाल की मुख्य भूमिका है जो तीनों दुकानों से अवैध शराब को विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करने का नेटवर्क संचालित करता है। राहुल जायसवाल को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है और अवैध शराब के पूरे नेटवर्क के बारे में पुलिस की टीमें लगातार पूछताछ कर रही हैं। जिसमें राहुल जायसवाल मुख्य सरगना के रूप में कार्य करता हुआ पाया गया है। अवैध शराब के धंधे की पूरी राशि एकत्रित करके राहुल जायसवाल के पास जमा की जाती थी, उसके बाद राहुल जायसवाल द्वारा ही अन्य सभी को उनका हिस्सा दिया जाता था। प्रकरण में विजय राव निवासी इंदौर को भी अभिरक्षा में लिया गया है, जिसने राहुल जायसवाल के लिए अवैध शराब तस्करी नेटवर्क में काम करना स्वीकार किया है। पुलिस को विवेचना में प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त अवैध शराब की तस्करी के नेटवर्क की काफी जानकारियां प्राप्त हो गई हैं। जिसको लेकर पांच जिलों के पुलिस अधीक्षकों के द्वारा अपने-अपने जिलों में विभिन्न टीमें गठित कर लगातार दबिश दी जा रही है एवं आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है। प्रकरण के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक देवास के द्वारा दस-दस हजार रुपये की इनाम उद्घोषणा की गई है।

हरदा में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

दिनांक 1 नवंबर 2026 को रात्रि 01:00 बजे के लगभग थाना प्रभारी पुलिस थाना खातेगांव को प्राप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र में स्थित इन्दौर बैतूल हाईवे पर वाहनों की चेकिंग करते समय हरदा जिले टिमरनी क्षेत्र में स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान सोडलपुर रोड टिमरनी के लायसेंसी पाटेन्द्र जायसवाल की दुकान से अवैध रूप से परिवहन की जा रही विदेशी मदिरा जो वाहन क्रमांक एमपी 43 एच 4786 को रोकने का प्रयास करने पर वाहन चालक द्वारा वाहन थाना प्रभारी को कुचलते हुए भगाकर ले गया, जिससे थाना प्रभारी की मृत्यु हो गई। उक्त घटना को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ स्टाफ को साथ लेकर दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं पाई गई त्रुटियों से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

प्रथम दृष्ट्या उक्त मदिरा दुकान सोडलपुर रोड टिमरनी से परिवहन किया जाना प्रतीत होता है। कलेक्टर हरदा द्वारा आवंटित कम्पोजिट मदिरा दुकान सोडलपुर रोड टिमरनी एवं रहटगांव और हरदा रोड टिमरनी के लायसेंसी को सूचना पत्र जारी कर 24 घंटे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु लिखा गया।

3000 पेटी अवैध मदिरा प्रकरण में बड़ी सफलता,

फरार वाहन स्वामी गिरफ्तार, जेल भेजा गया



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

लगातार दबिश के बाद आबकारी टीम ने नंदा नगर से दबोचा आरोपी, पहले भी दर्ज हैं आबकारी अधिनियम के कई प्रकरण

इंदौर। 3000 पेटी अवैध मदिरा जब्ती प्रकरण में आबकारी विभाग इंदौर को बड़ी सफलता मिली है। लगातार दबिश और तलाश के बाद विभाग की टीम ने परिवहन में प्रयुक्त वाहन के स्वामी सुनील पिता दौलतराम कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल भेज दिया गया है।

दिनांक 27.10.2026 को

आबकारी विभाग इंदौर द्वारा 3000 पेटी अवैध मदिरा की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। खेप पकड़े जाने के बाद से ही प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की तलाश एवं उनकी भूमिका की जांच की जा रही थी। इसी क्रम में जब्त मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त वाहन के स्वामी सुनील कुशवाह, निवासी नंदा नगर, इंदौर की गिरफ्तारी के लिए आबकारी विभाग की टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आरोपी की तलाश में टीम ने विभिन्न संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी।

आखिरकार

टीम को सफलता मिली और वाहन स्वामी को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के पश्चात आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जिला जेल भेज दिया गया।

उल्लेखनीय है कि

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाए गए हैं, जिनमें आबकारी अधिनियम की धारा 34 एवं 49 के अंतर्गत दर्ज प्रकरण भी शामिल हैं।

आबकारी विभाग द्वारा प्रकरण में अन्य संलिप्त व्यक्तियों, अवैध मदिरा के स्रोत, परिवहन एवं वितरण नेटवर्क के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी रखी गई है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
सनातन दत्ती (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com